

मसुदा पृष्ठ नं. 10
दिनांक 21/7/2016

दलहन बो कर चांदी काटना चाहते हैं किसान, रकबे में 25 फीसद उछाल का अनुमान

इंदौर, 20 जुलाई (भाषा)। खुदरा बाजार में दालों की कीमतें बढ़ने के बाद मध्यप्रदेश के किसानों को मौजूदा खरीफ सत्र में दलहनी फसलों ने खूब लुभाया है। नतीजतन इस सत्र के दौरान सूबे में दलहनी फसलों का रकबा करीब 25 फीसद बढ़कर 21.51 लाख हेक्टेयर पर पहुंच सकता है। प्रदेश के कृषि विभाग के निदेशक मोहनलाल मीणा ने बुधवार को बताया- सूबे में मौजूदा खरीफ सत्र में सरकारी लक्ष्य के मुताबिक 21.51 लाख हेक्टेयर में दलहनी फसलों की बुआई का अनुमान है। अब तक इसमें से 12.50 लाख हेक्टेयर में दलहनी फसलें बोयी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा- सूबे के कुछ हिस्सों में पिछले दिनों भारी बारिश से सोयाबीन की फसल बर्बाद हो गई है। इन हिस्सों में किसानों को फिर से बुआई करनी होगी और हमें लगता है कि इस बार वे सोयाबीन की जगह दलहनी फसलें बोएंगे। इससे दलहनी फसलों का रकबा और बढ़ेगा।

मीणा ने बताया कि प्रदेश में इस महीने के अंत तक दलहनी फसलों की बुआई खत्म हो जाएगी।

कृषि के जानकारों ने बताया कि खुदरा बाजार में दालों की कीमतें चढ़ने के बाद मौजूदा खरीफ सत्र में सूबे के किसान दलहनी फसलों की तरफ इस उम्मीद में आकर्षित हुए कि इनकी खेती से उन्हें

अपनी उपज का बढ़िया मोल मिलेगा। जानकारों ने बताया कि प्रदेश के प्रमुख सोयाबीन उत्पादक क्षेत्रों में पिछले तीन खरीफ सत्रों के दौरान मौसम की मार के कारण किसानों को खासा नुकसान उठाना पड़ा था। लिहाजा परंपरागत रूप से सोयाबीन उगाने वाले किसानों ने भी इस खरीफ सत्र में दलहनी फसलों की खेती को तवज्जो दी।

प्रदेश सरकार के आंकड़ों के मुताबिक मौजूदा खरीफ सत्र में सूबे में खासतौर पर अरहर (तुअर) के रकबे में 34.5 फीसद का इजाफा दर्ज होने का अनुमान है और यह बढ़कर 7.79 लाख हेक्टेयर के स्तर पर पहुंच सकता है। प्रदेश में पिछले खरीफ सत्र में 5.79 लाख हेक्टेयर में अरहर की बुआई की गई थी। अधिकारी ने बताया कि सूबे में मौजूदा खरीफ सत्र में 11 लाख हेक्टेयर में उड़द और 2.5 लाख हेक्टेयर में मूंग की बुआई का अनुमान है। अन्य दलहनी फसलों का रकबा 22,000 हेक्टेयर के आसपास रह सकता है। प्रदेश में वर्ष 2015-16 के पिछले खरीफ सत्र में 17.19 लाख हेक्टेयर में दलहनी फसलें बोयी गई थी।

राजा श्री
21-7-2016